**आदेश 38, नियम 1 सि. प्र. सं. के अधीन आवेदन पत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

आवेदक निम्नलिखित रूप में अति सादरपूर्वक निवेदन करता है

1. यह कि इस वाद को आवदेक द्वारा स्थावर सम्पत्ति के दोष के लिए प्रतिकर हेतु दाखिल किया गया है और वाद में प्रतिकर हेतु प्रतिवादी का दायित्व...................रुपये के विस्तार तक है।
2. यह कि प्रतिवादी ने उसकी होने वाली अचल या स्थावर सम्पत्ति का व्ययन कर चुका है और इस आदरणीय न्यायालय की अधिकारिता की स्थानीय परिसीमाओं से जंगम सम्पत्ति हटा ली है।
3. इस बात की प्रत्येक आशंका है कि वादी की डिक्री के निष्पादन में विलम्ब की जायेगी जो वाद में प्रतिवादी के विरुद्ध इस आदरणीय न्यायालय द्वारा पारित किया जा सके।
4. यह कि तथ्यों के समर्थन में एक शपथपत्र इस आवेदन पत्र के साथ दाखिल किया जा रहा है।

**प्रार्थना**

अतएव यह अति सादरपूर्वक प्रार्थना की जाती है कि प्रतिवादी की गिरफ्तारी का एक वारण्ट यह प्रदर्शित करने हेतु इस न्यायालय के पूर्व उसको लाने के लिए जारी किया गया क्यों प्रतिवादी को अपनी हाजिरी के लिए प्रतिभूति नहीं जारी करना चाहिए।

**आवेदक**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान..........**

**तारीख.........**